सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 244 | इंदौर, शनिवार 21 मार्च, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

सिनेमाँ - "DHRUNDHAR"

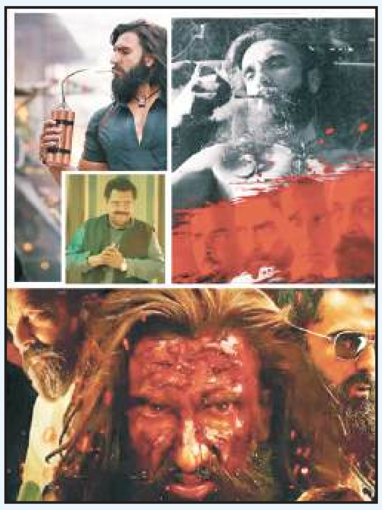

सिर्फ करोड़ों का या रिकार्ड बिजनेस किसी फिल्म की longevity तय नहीं कर सकती है। धुरंधर के बारे में मेरी कोई राय नहीं है। दुनिया की हर जासूसी फिल्म एक तरह का प्रोपेगेंडा ही है। ऐसी फिल्में लंबे समय में याद नहीं रखी जाती हैं।

हिंसा, मारधाड़ को ग्लैमराइज़ किया जाना भी आम है।एनिमल के बाद हिंसा का ग्लैमराइजेशन हुआ ही है। अब अगले दो तीन वर्षों तक लंबे बाल, दाढ़ी और सिगरेट पीते नौजवान भारत में दिखें तो आश्चर्य नहीं।

रणवीर सिंह अच्छे अभिनेता है सत्तर प्रतिशत जगहों पर वह या तो सिगरेट पी रहे हैं या गोली चला रहे हैं।

हर सीन में विलेन हो या हीरो सिगरेट पीता हुआ अच्छा नहीं लगता। सिगरेट एक बड़ा एलिमेंट है फिल्म में जहां हर आदमी को (मेजर इकबाल से लेकर, हमजा अली और माधवन) हर अच्छे डायलॉग से पहले सिगरेट पी रहे हैं, बुझा रहे हैं या धुआं छोड़ रहे हैं।

बाकी धुरंधर वर्तमान सरकार के सुकर्मों और कुकर्मों का गुणगान करते हुए एक तरह का नैरेटिव पेश करती है ।

आईएसआई के मेजर को दाउद की चमचागिरी करते दिखाना हास्यास्पद से अधिक कुछ नहीं है। यह दीगर है कि दाउद आईएसआई के रहमोकरम पर पाकिस्तान में रह रहा है। इन दोनों मामलों में चाहे अतीक अहमद हो या फिर दाउद, माफिया को इतना शक्तिशाली पेश किया गया जितना वह कभी नहीं रहा होगा।

कैमरावर्क अच्छा है। स्टोरीटेलिंग भी ठीक है राकेश बेदी को जमाने बाद अच्छी भूमिका मिली है।

युद्ध पर एक अच्छी फिल्म इक्कीस बनी है । अगर मारधाड़, पागलपन और राष्ट्रवाद का थोथापन देखने की इच्छा न हो तो इक्कीस देखनी चाहिए ।

आज से दस साल बाद जब कोई पुरानी फिल्म उठा कर देखना चाहेंगे तो उसमें न तो धुरंधर होगी न एनिमल बल्कि उसमें मैंने प्यार किया, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, अंदाज़ अपना अपना जैसी फिल्में के नाम होंगे. दिल चाहता है जैसी फिल्में होंगी। लंचबॉक्स, शोले, दीवार जैसी फिल्में होंगी। सिनेमा का अपने समय से आगे तक दर्शकों के लिए सुंदर बने रहना ही उसकी असल सफलता है मसलन अमोल पालेकर और उत्पल दत्त की फिल्में हमेशा आनंद देती हैं ।

#पुष्प (FB से साभार)

सीएम यादव बोले-

मातृभूमि की रक्षा की लिए रानी अवंतीबाई का बलिदान सदियों तक रहेगा अविस्मरणीय

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रानी अवंतीबाई का मातृभूमि की रक्षा के लिए दिया गया बलिदान सदियों तक याद रहेगा। उन्होंने शुक्रवार को डिंडोरी जिले में रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस के कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित किया। सीएम मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश वीरांगनाओं की भूमि है। रानी दुर्गावती, रानी कमलापति और रानी अवंतीबाई जैसी बहादुर महिलाओं ने विदेशी आक्रांताओं को कड़ी टक्कर दी। रानी अवंतीबाई ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ डटकर लड़ाई लड़ी। उनका साहस और त्याग कभी नहीं भुलाया जा सकता।

संग्रहालय का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने रानी अवंतीबाई की याद में डिंडोरी में 1 करोड़ रुपये की लागत से बने भव्य संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस संग्रहालय में उनकी फोटो गैलरी और शस्त्र रखे गए हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देंगे। सीएम ने कहा कि यह संग्रहालय उनके बलिदान को हमेशा जिंदा रखेगा। बता दें रानी अवंतीबाई का जन्म सिवनी जिले के मनकेहणी गांव में हुआ था। 1857 में जब अंग्रेजों ने रामगढ़ के राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह को मार डाला, तो रानी ने क्रांति की कमान संभाली। उन्होंने रेवांचल क्षेत्र में मुक्ति आंदोलन चलाया। 1858 में अंग्रेजों की बड़ी सेना से लड़ते हुए उन्होंने अंत तक हार नहीं मानी और हंसते-हंसते शहादत दी। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की तरह डिंडोरी में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी।

सीएम ने डिंडोरी जिले की तारीफ की

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने रानी अवंतीबाई के नाम पर सागर में विश्वविद्यालय स्थापित किया है। इससे उनकी शहादत को सम्मान मिलता रहेगा। सीएम ने डिंडोरी जिले की तारीफ की। जिले ने एनीमिया मुक्त भारत अभियान में एक दिन में 50 हजार से ज्यादा महिलाओं-बेटियों की जांच कर एशिया और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया। एचपीवी टीकाकरण में भी प्रदेश में पहले नंबर पर है। 'पंखिनी अभियान' के तहत बेटियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री कोचिंग दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को बधाई दी। डिंडोरी सीएम के दिल के करीब है और विकास के साथ विरासत को भी संजोया जा रहा है।

जयपुर में उद्योगपतियों से निवेश पर संवाद करेंगे सीएम

मध्यप्रदेश की औद्योगिक ताकत का करेंगे प्रेजेंटेशन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से स्थापित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मोहन यादव शनिवार को जयपुर में उद्योगपतियों के साथ महत्वपूर्ण संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम जयपुर के आईटीसी राजपूताना में आयोजित 'इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश' के तहत होगा। इस संवाद सत्र में मुख्यमंत्री यादव देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों के प्रतिनिधियों के साथ निवेश संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा करेंगे। कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार की निवेश समर्थक नीतियों, प्रशासनिक तत्परता और पारदर्शी व्यवस्था को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

जयपुर में आयोजित इस सेशन में मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीति, सेक्टर-वार प्रोत्साहन, विकसित औद्योगिक क्षेत्रों की उपलब्धता, मजबूत अधोसंरचना, लॉजिस्टिक नेटवर्क, कौशल विकास प्रणाली और त्वरित स्वीकृति तंत्र का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।

हंगामा क्यों बरपा ..

'सरके चुनरी' गाना सुना..एक लाइन के कुछ शब्द जरूर हलचल का मौसम बना रहे है अब कुछ शब्द कान से होते हुए मन को ललचाते हुए दिमाग में कोई दृश्य क्रिएट करते हैं तो उसमें क्या..

लेकिन बाकी सब तो ठीक ठाक और Party Lover song बनेगा ये तय है ..!

रास्ते में चलते हुए कई बार गालियों की ध्वनि गूंजती है वो इग्नोर करते हैं ना ..!

देह अधिक कपड़े कम कई बार दृश्य होते हैं तो इग्नोर करते हैं ना ..!

बस थोड़ी चिंता ये है कि अबोध बच्चिया बिना बोल समझे इस पर डांस करेगी तब देखने वाले समझ के भरे भूसे और भरेपूरे क्या चित्त सम्हाल पाएंगे ...

अब जब फिल्में ही रक्तरंजीत हो चली ..

अब जब हीरो ही विलेन हो गया..

अब जब कोमलांगियो को स्वछंदता के साथ साथ मसल्स और नशे के छल्ले पसंद हो रही

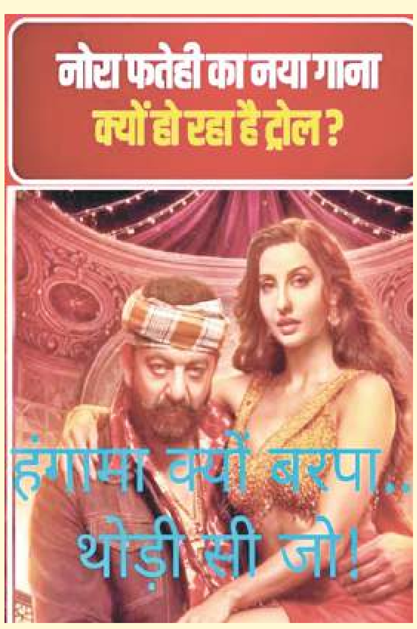

.तो तो तो

ये सब भी धीरे धीरे सामने आएगा ही

बचने वाले बचते रहेंगे फिसले हुए और रगड़ेंगे जब तक की खुद ना रुके वाले

खुद को सहेजना है ये सब तो चलता और आता जाता ही रहेगा

Music - Dance steps सब वैसा ही है जैसा अक्सर नोरा मैडम जी के परफॉर्मेंस में होता आया है ... डायरेक्टर प्रोड्यूसर को जो करना था वो कर चुके वो यही चाहते थे कि विवाद हो बदनामी में ही नाम तो हो गया ...

आखिरकार हम लोग भी तो संवाद से ज्यादा विवाद को महत्व दे रहे हैं बाजार बिचारा क्या करे जब सब का मोबाइल अतरंगी नीला हो चुका है तब उनको भी तो माल बेचना होगा ...धुरंधर की आंधी में बाकियों को भी तो माल छापना है तो फिर हंगामा क्यों बरपा....

#पुष्प (FB वॉल से साभार)

फूलों से सजे रथ पर भक्तों को दर्शन देने निकले भगवान झूलेलाल

आयोलाल-झूलेलाल के उद्घोष से गूंजा आसमान, सिंधी भजनों पर झूमे समाजजन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शुक्रवार का दिन सिंधी समाजजनों के लिए उत्साह, उमंग और उल्लास भरा रहा। सुबह जहां सिंधी बाहुल्य क्षेत्रों में बहराणा यात्राओं में इष्टदेव भगवान झूलेलाल के पर्व की खुशियां छाई रही तो वहीं शाम को - छत्रीबाग स्थित श्री अखंड ज्योति का मंदिर से भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा लाव-लश्कर के साथ निकाली गई। यात्रा के पूर्व सिंधी समाज के वरिष्ठों ने सेवादारों व संत समाज के सान्निध्य में भगवान झूलेलाल का अभिषेक, पूजन व महाआरती की।

इसके पश्चात भगवान झूलेलाल को की फूलों से श्रृंगारित रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। यात्रा में सिंधी समाजजन जहां भजनों पर थिरक रहे थे तो वहीं सिंधी बाहुल्य क्षेत्रों से लगभग 15 से अधिक महिला भजन मंडलियां भी भजनों की प्रस्तुतियां देते हो चल रही थी। यात्रा के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण व जल संरक्षण का भी संदेश दिया गया। इसी के साथ सिंधी समाज बंधुओं ने हिंदू नववर्ष की बधाईयां भी दी। चेटीचण्ड उत्सव समिति के अध्यक्ष हरीश डावानी, सचिव खेमचंद शादीजा, ललित पारानी, प्रकाश पारवानी एवं प्रचार प्रमुख नरेश फुंदवानी ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार निकलने वाली शोभायात्रा इस वर्ष हाईटेक रही। जिसमें 10 वॉच टॉवरों के साथ ही सोलर कैमरों व ड्रोन से यात्रा पर निगरानी रखी गई। संपूर्ण यात्रा के मार्ग में यातायात बाधित न हो इसके लिए भी 100 युवाओं और मातृशक्तियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई थी। वहीं झाकियों व मार्ग की संपूर्ण व्यवस्था की कमान जवाहर मंगवानी एवं सुरक्षा व्यवस्था की कमान महेश कुकरेजा की टीम को सौंपी गई थी। यात्रा में विधायक मालिनी गौड़, नगर अध्यक्ष, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, मंत्री तुलसी सिलावट, कैलाश शर्मा, ईश्वर झामनानी अजय शिवानी, रवि भाटिया, जय काकवानी, घनश्याम मलानी, मनीष देवनानी, कमल मटाई, सहित धार्मिक, सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियां भी मौजूद रही।

ईदुलफितर पर खुशी की मजलिस आयोजित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। दाऊदी बोहरा समाज ने ईदुलफितर पर खुशी की मजलिस आयोजित की। धर्मगुरु हिज होलिनेस सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन की उम्र दराजी और जल्द इंदौर तशरीफ़ लाने की दुआएं मांगी। यह जानकारी देते हुए समाज के इंदौर मीडिया प्रभारी मजहर हुसैन सेठजी वाला व सदस्य बुरहानुद्दीन शकरुवाला ने बताया कि सैफी नगर में जनाब मुस्तनसिर भाईसाहब बिन बहलूल ने खुशी की मजलिस की सदारत की।

आपने मजलिस में सभी को ईद की मुबारक देते हुए सभी के हक में दुआएं फ़रमाई। समाज के वरिष्ठ शेख सैफुद्दीन भाई खंबाती, शेख ताहेर भाई सेठजी वाला, युनुस सलीम व ताहेर रतलाम वाला ने जनाब मुस्तनसिर भाईसाहब का सम्मान कर शर्बत पेश किया। सादिक खान व दिलीप राजपाल ने जनाब मुस्तनसिर भाईसाहब को बुके भेंट कर ईद की मुबारकबाद पेश की। इस अवसर पर समाज के अनेक खिदमत गुज़ारो को सैयदना साहब की तरफ से आए विभिन्न टाइटल से सम्मानित किया गया।

बदमाशों ने 76 साल की महिला की चेन लूटी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। फिर बदमाशों के हौसले इतने बुलंद नजर आए कि उन्होंने दिनदहाड़े एक बुजुर्ग महिला को निशाना बना लिया। 76 साल की शंकुतला चौकसे, जो रोज की तरह पूजा का सामान लेने घर से निकली थीं।

लसूड़िया थाना क्षेत्र के तुलसीनगर निवासी शकुंतला चौकसे गुरुवार सुबह सरस्वती मंदिर के पास से पूजा का सामान लेकर घर लौट रही थीं। तभी अचानक पीछे से बाइक पर सवार एक बदमाश आया और उनके गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन छीन ली। घटना इतनी तेजी से हुई कि बुजुर्ग महिला संभल भी नहीं पाई और आरोपी मौके से फरार हो गया। शकुंतला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बदमाश आंखों से ओझल हो चुका था। घटना के बाद परिजन को सूचना दी गई। रात में बेटे के दिल्ली से लौटने के बाद शंकुतला चौकसे थाने पहुंचीं और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

ज्यूस पार्लर संचालिका के घर चोरी

इधर, शहर के भंवरकुआ थाना क्षेत्र में चोरी की एक और वारदात सामने आई है। यहां ज्यूस पार्लर संचालिका यशोदा चावला ने अज्ञात चोर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। यशोदा के मुताबिक, वह अपने पार्लर पर थीं, उसी दौरान उनके घर में घुसकर किसी ने अलमारी में रखे नकदी पर हाथ साफ कर दिया। अलमारी में रखे पैसे व्यापार के हिसाब के थे, हालांकि अभी चोरी गई रकम का सही आंकड़ा सामने नहीं आ सका है। पुलिस दोनों ही मामलों में जांच कर रही है। एक तरफ जहां बुजुर्ग महिला से चेन स्नैचिंग की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं दूसरी ओर घरों में घुसकर हो रही चोरी की घटनाएं भी लोगों की चिंता बढ़ा रही हैं।

रास्ता रोककर गर्भवती महिलाओं को किया परेशान, ली हाईकोर्ट की शरण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। चार माह तक शिकायतों पर कोई कार्रवाई न होने से परेशान एक गर्भवती महिला ने हाईकोर्ट की शरण ली। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने थाना मल्हारगंज पुलिस को शिकायत पर विधिसम्मत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

मामला पंचकुइया रोड, रामनगर क्षेत्र का है। यहां रहने वाली महिला ने आरोप लगाया है कि पड़ोस में रहने वाले उमेश जरवाल, दिनेश जुनवाल, महेश जुनवाल और गायत्री जुनवाल पिछले कई महीनों से उसके परिवार को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। महिला के एडवोकेट शुभम शर्मा और विकास जायसवाल के मुताबिक, याचिकाकर्ता और उसकी देवरानी दोनों गर्भवती हैं और डॉक्टरों ने उन्हें बेड रेस्ट की सलाह दी है। इसके बावजूद जब भी उन्हें डॉक्टर के पास जाना होता है, आरोपी घर के सामने पानी के ड्रम और गाड़ियां खड़ी कर रास्ता बंद कर देते हैं। इस वजह से दोनों महिलाओं को करीब डेढ़ किलोमीटर पैदल चलकर ऑटो तक पहुंचना पड़ता है, जिससे गर्भपात का खतरा बना रहता है। पीड़िता ने इस संबंध में थाना मल्हारगंज, डीसीपी जोन-1, पुलिस कमिश्नर और कलेक्टर को लिखित शिकायतें दी थीं, लेकिन कहीं से राहत नहीं मिली। इसके बाद मजबूर होकर महिला ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस को तत्काल उचित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एडवोकेट के अनुसार, इससे पहले भी आरोपियों ने परिवार का सामान सड़क पर रखकर रास्ता रोका था। विरोध करने पर मारपीट की गई, जिसमें महिला के पति का सिर फोड़ दिया गया था। इस मामले में मल्हारगंज थाने में एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है।

कांग्रेसियों ने आयोग को दर्ज कराए बयान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के मामले में जांच कर रहे न्यायिक आयोग के समक्ष अब कांग्रेस नेताओं ने भी अपने बयान दर्ज कराए हैं। उन्होंने इस दौरान घटना के लिए प्रशासनिक लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए कई गंभीर सवाल उठाए। मामले में सुनवाई के दौरान मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ द्वारा गठित न्यायिक आयोग के सामने कांग्रेस नेताओं सहित सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। यह एक सदस्यीय आयोग पूर्व जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में जांच कर रहा है। कांग्रेस नेताओं ने अपने बयानों में पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता, निगरानी व्यवस्था और समय रहते कार्रवाई नहीं होने को लेकर प्रशासन को कटघरे में खड़ा किया। साथ ही मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी रखी। आयोग फिलहाल पेयजल प्रदूषण के कारणों, प्रशासनिक जिम्मेदारी और जनहानि के पहलुओं की जांच कर रहा है। अधिक से अधिक लोगों से साक्ष्य जुटाने के लिए आयोग ने दस्तावेज और जानकारी जमा करने की अंतिम तिथि 1 अप्रैल तक बढ़ा दी है।

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट
इंदौर, शनिवार 21 मार्च, 2026

किसकी है लापरवाही?

ब्रजेश्वरी अग्निकांड में आग लगने के कारणों को लेकर अलग-अलग दावे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर के ब्रजेश्वरी अग्निकांड में आग लगने के कारणों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कार के चार्जिंग प्वाइंट में लगी आग से मकान जला, जबकि मृतक मनोज पुगलिया के बेटे सौरभ का दावा है कि कार चार्ज नहीं हो रही थी और बिजली के पोल के कारण आग लगी।

बिजली कंपनी का कहना है कि यदि पोल से आग लगी होती तो पहले धमाका होता और इलाके की बिजली गुल हो जाती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पोल के पास कार खड़ी थी, जिससे पोल की केबलें जलीं और चिंगारियां उठीं। प्रारंभिक वीडियो में पहले कार जलती हुई दिखाई दे रही है और उसके बाद पोल में आग लगती नजर आती है। पोल की आग से पहली

मंजिल पर जालियों पर लगा प्लास्टिक जला और आग दूसरी मंजिल तक पहुंच गई। फिलहाल इस अग्निकांड की जांच जारी है और रिपोर्ट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि आग पर काबू पाने के प्रयासों में कई स्तरों पर लापरवाही सामने आई है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की शुरुआती जांच में मकान में आग लगने की मुख्य वजह इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की चार्जिंग के दौरान हुआ शॉर्ट सर्किट माना गया है। चार्जिंग के समय अचानक चिंगारी भड़की, जिससे वाहन में आग लगी और कार की बैटरी में भी विस्फोट हुए। हालांकि सौरभ का कहना है कि कार चार्जिंग पर नहीं थी और आग बिजली के पोल के कारण लगी।

बिजली कंपनी के कार्यपालन यंत्री डी.के. तिवारी के अनुसार ट्रांसफार्मर ऑनलाइन सर्वर से जुड़ा है और डेटा के अवलोकन में यह पाया गया कि आग पहले बिजली पोल पर नहीं लगी। यदि ऐसा होता तो शॉर्ट सर्किट से ट्रांसफार्मर का फेज उड़ जाता और क्षेत्र की बिजली स्वतः बंद हो जाती, जबकि ऐसा नहीं हुआ। मकान में आग लगने के बाद ही बिजली विभाग ने आपूर्ति बंद की। वहीं पुलिस की फोरेंसिक जांच में ईवी कार और चार्जिंग से जुड़े साक्ष्य जुटाए गए हैं, हालांकि आग बुझाने के दौरान कई सबूत नष्ट हो गए।

एक नजर

मकान में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, जिससे समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जा सका। चारों तरफ लगी लोहे की जालियों के कारण दमकलकर्मियों को भीतर पहुंचने में कठिनाई हुई। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां देरी से पहुंचीं और शुरुआत में केवल एक दमकल ही मौके पर थी, जबकि आग काफी बड़ी थी। आग लगने के बाद स्थानीय लोग करंट के डर से बुझाने के प्रयास नहीं कर सके। गली में खड़ी गाड़ियों को समय पर नहीं हटाया गया, जिससे राहत और बचाव कार्य प्रभावित हुआ।

कर्ज से परेशान वाहन मालिक ने फांसी लगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। रामानंद नगर इलाके में कर्ज के दबाव से परेशान एक वाहन मालिक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर पर बच्चे मौजूद थे, जबकि पत्नी भजन में गई हुई थी। लौटने पर पत्नी को घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

चंदन नगर थाना पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान दुलीचंद (43) पिता कालूराम राठौर के रूप में हुई है। दुलीचंद ने वाहन खरीदने के लिए लोन लिया था, लेकिन पिछले कई महीनों से वह उसकी किश्त नहीं भर पा रहे थे। बैंक की ओर से लगातार तकादा किए जाने के कारण वह तनाव में थे। घटना शाम की है। दुलीचंद घर के पीछे बने कमरे में थे। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर उनकी बेटी उन्हें देखने पहुंची। दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज देने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो बेटी ने दरवाजे के छेद से झांककर देखा। अंदर पिता फंदे पर लटके हुए थे। यह देख उसने तुरंत मां को फोन कर जानकारी दी। सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल भेजकर पोस्टमॉर्टम कराया है। मौके से किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस अब वाहन के दस्तावेजों के आधार पर फाइनेंस कंपनी और एजेंटों से पूछताछ करेगी। मृतक के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे—दो बेटियां और एक बेटा हैं, जो पढ़ाई कर रहे हैं। पत्नी दुर्गा के मुताबिक उन्हें लोन की पूरी जानकारी नहीं थी, लेकिन बैंक के लोग घर आकर किश्त के लिए दबाव बना रहे थे। घटना के बाद परिवार सदमे में है।

झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए और शादी से मुकर गया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर पुलिस ने एक टेलीकॉलर युवती की शिकायत पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। युवती ने आरोप लगाया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए और बाद में मुकर गया।

टीआई सुशील पटेल के मुताबिक 21 वर्षीय युवती की शिकायत पर अमन टिकलिया निवासी कंडिलपुरा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। युवती ने बताया कि उसकी मुलाकात करीब चार साल पहले एक पारिवारिक शादी समारोह में अमन से हुई थी। इसके बाद दोनों की इंस्टाग्राम पर बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। युवती के अनुसार, अगस्त 2024 में आरोपी उसे हीरानगर क्षेत्र के एक होटल में ले गया, जहां पहली बार संबंध बनाए। इसके बाद वह अलग-अलग होटलों में कई बार उसे लेकर गया। इस दौरान दोनों ने शादी का निर्णय भी लिया और परिवारों को इसकी जानकारी दी। चूंकि दोनों एक ही समाज से हैं, इसलिए रिश्ते को लेकर बातचीत भी शुरू हो गई थी। युवती का आरोप है कि दिसंबर 2025 में आरोपी ने अचानक शादी से इंकार कर दिया। उसने कहा कि परिवार को युवती पसंद नहीं है और मकान नहीं होने की बात कहकर दूरी बना ली। इसके बाद उसने बात करना भी बंद कर दिया। युवती ने जब संपर्क करने की कोशिश की तो आरोपी ने फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इससे उसकी सामाजिक छवि भी प्रभावित हुई। गुरुवार को पीड़िता ने इंदौर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फैक्ट्री कर्मचारीयुवती से छेड़छाड़

दूसरी ओर भंवरकुआ क्षेत्र में फैक्ट्री में काम करने वाली 27 वर्षीय युवती के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी सतपाल चौहान निवासी पालदा के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता के मुताबिक आरोपी पिछले कई दिनों से उसका पीछा कर रहा था। करीब एक माह पहले उसने रास्ता रोककर पसंद करने की बात कही थी, जिसे युवती ने नजरअंदाज कर दिया। गुरुवार को 24 कैरेट फैक्ट्री के पास आरोपी ने उसे फिर रोका, हाथ पकड़कर जबरन बात करने की कोशिश की और धमकी दी। इसके बाद युवती ने परिवार को जानकारी देकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

दोस्त की पत्नी को व्हॉट्सएप कॉल पर देता था धमकी, बिहार भागे तब भी नहीं छोड़ा पीछा

बाणगंगा थाना क्षेत्र में महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। 35 वर्षीय महिला के साथ आरोपी ने बार-बार दुष्कर्म किया। आरोपी ने पहले भरोसा जीता, फिर महिला को अकेला पाकर उसकी अस्मत लूट ली। इसके बाद लगातार धमकियों के सहारे उसका शोषण करता रहा। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपने पति के साथ मजदूरी करने इंदौर आई थी। पति के दोस्त अमन ने उन्हें एमआर-10 स्थित ससुराल में रहने की व्यवस्था की। दिन में पति काम पर चला जाता और महिला घर पर अकेली रहती थी। इसी दौरान आरोपी विकास पुत्र गुप्तेश्वर राय ने मौके का फायदा उठाकर उसके साथ जबरदस्ती करता। विकास ने रेप के बाद पीड़िता को धमकी दी। अगर किसी को बताया तो तुझे बदनाम कर दूंगा। डर और बदनामी के चलते पीड़िता चुप रही। बाद में पीडिता ने अपने पति को घटना बताई उसने विकास ने पति को भी जान से मरवाने की धमकी दी। दंपति जान के डर से 22 अगस्त 2025 को अपना काम छोड़कर गांव लौट गया। पीड़िता के मुताबिक, गांव पहुंचने के बाद भी आरोपी व्हाट्सएप कॉल के जरिए उसे लगातार धमकाता रहा और मिलने के लिए दबाव बनाता रहा। साथ ही बदनाम करने की धमकी देता रहा। दंपति एक दिन पहले वापस इंदौर आए पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस ने रेप और धमकी सहित अन्य मामलो में एफआईआर की है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, 10 साल की सश्रम कैद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में जिला कोर्ट ने आरोपी लखन सिंह पिता बलवंतसिंह यादव (31), निवासी नागदा, उज्जैन 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। करीब तीन वर्ष तक चली सुनवाई के बाद 16 मार्च को सुनाए गए फैसले में कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार दिया। पीड़िता पेशे से नर्स है और इंदौर में किराए के मकान में रहती है। वर्ष 2021 में उसकी पहचान जीवन साथी डॉट कॉम वेबसाइट के माध्यम से आरोपी लखन से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और आरोपी ने पीड़िता को भरोसा दिलाया कि उसने अपने परिवार से शादी की बात कर ली है और जल्द ही विवाह तय किया जाएगा। आरोप है कि 14 फरवरी 2022 को जब पीड़िता घर में अकेली थी, तब आरोपी ने उसके मना करने के बावजूद शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह लगातार शादी का भरोसा देकर उसके साथ संबंध बनाता रहा। पीड़िता के अनुसार, अप्रैल 2023 से आरोपी ने बातचीत कम कर दी और मोबाइल फोन बंद रखने लगा। संदेह होने पर जब महिला आरोपी के उज्जैन स्थित निवास पर पहुंची, तो उसे पता चला कि आरोपी ने किसी अन्य युवती से विवाह कर लिया है। विरोध करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद 25 मई 2023 को इंदौर में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई।

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट
इंदौर, शनिवार 21 मार्च, 2026

उज्जैन में चेटीचंड पर चल समारोह,सीएम ने दिखाई झंडी : बोले-

कठिन समय में एक-दूसरे का सहारा बनना ही समाज की वास्तविक ताकत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में शुक्रवार को भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव (चेटीचंड) के अवसर पर सिंधी समाज द्वारा भव्य चल समारोह निकाला गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टावर चौक से भगवा झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया और समाज को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान झूलेलाल जैसे गुरुजन समाज के लिए सदैव मार्गदर्शक रहे हैं और उनका आशीर्वाद सभी पर बना रहना चाहिए। उन्होंने नववर्ष के अवसर पर सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

सामूहिक प्रयासों से ही प्रगति संभव- सीएम ने सामाजिक एकता पर जोर देते हुए कहा कि खुशियों में मिलकर जश्न मनाना और कठिन समय में एक-दूसरे का सहारा बनना ही समाज की वास्तविक ताकत है। उन्होंने कहा कि समाज और देश के विकास में हर व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण है और सामूहिक प्रयासों से ही प्रगति संभव है। इस अवसर पर बॉलीवुड अभिनेत्री जयाप्रदा, अभिनेता आफताब शिवदासानी और टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा के अभिनेता कुश शाह (गोली) भी मौजूद रहे। इसके अलावा सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक सतीश मालवीय, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल सहित कई जनप्रतिनिधि और समाज के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

मप्र के 42 जिलों में बारिश, 14 में ओले गिरे

बिछी बर्फ की चादर कई जगह फसलें बर्बाद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की सक्रियता के चलते मध्य प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। 24 घंटे के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। शुक्रवार सुबह से भी कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहा। जिससे मौसम ठंडा हो गया है और जनजीवन प्रभावित हुआ है।

मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के 42 जिलों के 112 शहरों और कस्बों में बारिश हुई। इनमें इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, जबलपुर समेत कई बड़े शहर शामिल हैं। सबसे ज्यादा बारिश धार के बदनावर और बैतूल के घोड़ा डोंगरी में करीब पौन इंच दर्ज की गई। वहीं बड़वानी, सेंधवा, भैंसदेही, मुलताई, भोपाल और दमोह समेत कई जगहों पर आधा इंच या उससे ज्यादा पानी गिरा।

इधर, 14 जिलों में ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मंदसौर, शिवपुरी,आलीराजपुर, बड़वानी, बैतूल, झाबुआ, खंडवा, आगर-मालवा, विदिशा, छिंदवाड़ा, जबलपुर, दमोह, सिवनी और छतरपुर में ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है। वहीं रायसेन नेशनल हाइवे पर बर्फ की चादर बिछ गई। तेज आंधी ने भी कई इलाकों में असर दिखाया। आगर-मालवा में सबसे तेज 74 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली, जबकि सीहोर में 54 किमी, बड़वानी और नरसिंहपुर में 46 किमी, आलीराजपुर में 43 किमी की रफ्तार दर्ज की गई। भोपाल, सागर, इंदौर और जबलपुर समेत कई शहरों में 35 से 40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।

हर्ष फायरिंग में कैमरामैन को लगी गोली

रीवा, एजेंसी। शहर में गुरुवार देर रात एक बार फिर गोलीकांड की घटना सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर निकाली जा रही कलश यात्रा के दौरान हर्ष फायरिंग में एक युवक घायल हो गया, जिसे गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना गुरुवार रात की है। जानकारी के मुताबिक, सामान थाना क्षेत्र से निकली कलश यात्रा पचमठा आश्रम तक पहुंची थी। वापस लौटते समय गुलाब नगर के पास अचानक फायरिंग शुरू हो गई। इस दौरान कैमरामैन पवन सिंह नाम का युवक गोली लगने से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि घायल युवक कलश यात्रा के फोटो-वीडियो शूट कर रहा था। पुलिस ने साक्ष्य के तौर पर कैमरा और कार्ड जब्त कर लिया है।

ट्रक ने पंचायत कर्मी को कुचला, मौत

पांढुर्णा, एजेंसी जिले के लोधीखेड़ा क्षेत्र के बोरगांव में कलश यात्रा के दौरान सड़क हादसे में पंचायत कर्मी की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान तेजराम काकड़े के रूप में हुई है, जो पंचायत में कार्यरत थे। यह घटना उस समय हुई जब क्षेत्र में धार्मिक कलश यात्रा निकाली जा रही थी, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। इसी दौरान अचानक आए ट्रक ने तेजराम को अपनी चपेट में ले लिया।

पार्श्व गायक विशाल मिश्रा की प्रस्तुति, ड्रोन शो, लेजर शो और भव्य आतिशबाजी ने बांधा समां

सिंहस्थ-2028 में दुनिया देखेगी सनातन संस्कृति का वैभव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार्मिक नगरी उज्जैन का परमात्मा ने भाग्य विशेष रूप से लिखा है। जो भी व्यक्ति एक बार उज्जैन आता है, उसका जीवन संवर जाता है। मां शिप्रा के पावन तट पर बसी यह नगरी अनादि काल से अस्तित्व में है और हर युग में इसकी महिमा अक्षुण्ण रही है। उज्जैन, जिसे प्राचीन काल में अवंतिका और उज्जयिनी के नाम से जाना जाता था, 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री महाकालेश्वर का धाम है। वर्षप्रतिपदा के इस विशेष दिन विक्रम संवत 2083 के आगमन का उल्लास पूरे शहर में देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को विक्रमोत्सव-2026 अंतर्गत उज्जैन के राम घाट पर आयोजित सृष्टि आरंभ उत्सव का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज जब दुनिया आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन का उपयोग युद्ध में कर रही है, वहीं ड्रोन तकनीक उज्जैन में देवी-देवताओं की झलक आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रही है। यह सनातन संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को परास्त कर राष्ट्र की रक्षा की और सुशासन की मिसाल कायम की। उनका 32 पुतलियों वाला सिंहासन, नवरत्नों की विद्वता, वीरता और दानशीलता आज भी प्रेरणा का स्रोत है। आज विक्रमादित्य की इसी गौरवगाथा को पुनर्जीवित करते हुए पूरे प्रदेश में विक्रमोत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव न केवल संस्कृति का उत्सव है, बल्कि सुशासन और प्रशासनिक आदर्शों की पुनर्स्थापना का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में आगामी सिंहस्थ-2028 की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। इस बार का सिंहस्थ अभूतपूर्व और ऐतिहासिक होने वाला है। उज्जैन को जोड़ने वाले सभी मार्गो को फोरलेन और सिक्सलेन बनाया जा रहा है, वहीं मां शिप्रा के तट पर लगभग 30 किलोमीटर लंबे नवीन घाट विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन को व्यापार और उद्योग की दृष्टि से भी विकसित किया जा रहा है। विक्रम उद्योगपुरी, मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12,500 एकड़ का औद्योगिक क्षेत्र पूर्ण रूप से विकसित हो चुका है और अतिरिक्त 5 हजार एकड़ क्षेत्र में नया पार्क तैयार किया जा रहा है। साथ ही नए एयरपोर्ट और हेलीकॉप्टर सेवाओं की योजना से धार्मिक तीर्थाटन को नई ऊंचाई देने का प्रयास है। आने वाले समय में उज्जैन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक, औद्योगिक और वैश्विक पहचान का केंद्र बनेगा। जब 2028 में सिंहस्थ का विराट स्वरूप दुनिया के सामने आएगा, तब पूरी दुनिया सनातन संस्कृति का वैभव देखेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत 19 मार्च को गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव के पावन अवसर पर धर्मनगरी उज्जैन में भव्य और आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिप्रा तट स्थित रामघाट,दत्त अखाड़ा घाट पर आयोजित इस महोत्सव में आस्था, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। इसके बाद प्रसिद्ध पार्श्व गायक विशाल मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज से श्रद्धालुओं और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने संगीत का आनंद लिया और नववर्ष का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। गुड़ी पड़वा, जिसे हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि के प्रारंभ का प्रतीक माना जाता है, से पूरे शहर में धार्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा। विक्रमोत्सव अंतर्गत आयोजित सृष्टि आरम्भ उत्सव ने धार्मिक आस्था के साथ संगीत, संस्कृति और तकनीक के संगम के रूप में उज्जैन को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान प्रदान की। सृष्टि आरम्भ उत्सव ने उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आस्था और आधुनिक आयोजन क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज,विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, विक्रमादित्य शोधपीठ निदेशक डॉ. श्रीराम तिवारी, संजय अग्रवाल, राजेश धाकड़, राजेश कुशवाह, नरेश शर्मा, राजेंद्र भारती और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

घर का 'खजाना' लेकर रात एक बजे हो गई दुल्हन गायब

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

टीकमगढ़, एजेंसी। जिले के पलेरा थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-1 में शादी के कुछ दिनों बाद ससुराल से एक दुल्हन भाग गई है। वह सोने-चांदी के गहने के साथ अन्य कीमती सामानों को लेकर गई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक-1 निवासी पुरुषोत्तम जायसवाल (26) की शादी सासाराम निवासी संध्या कुमारी (21) से कुछ दिन पहले ही संपन्न हुई थी। पीड़ित के मुताबिक, रात करीब 1 बजे दुल्हन ने बाथरूम जाने की बात कहकर कमरे से बाहर निकली, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। जब परिजनों को शक हुआ तो उन्होंने घर के आसपास तलाश शुरू की। लेकिन दुल्हन का पता नहीं चला। इसके बाद मामला साफ हुआ कि दुल्हन घर से फरार हो चुकी है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि दुल्हन अपने साथ मंगलसूत्र, चांदी की पायल, नाक-कान के सोने के आभूषण सहित अन्य कीमती सामान भी ले गई है। इतना ही नहीं, घर में रखी मोटरसाइकिल की चाबी भी अपने साथ ले जाने की बात सामने आई है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि घटना पूरी योजना के तहत अंजाम दी गई है। पुरुषोत्तम जायसवाल ने यह भी आरोप लगाया है कि इस विवाह को कराने वाले बिचौलियों ने शादी के एवज में करीब 2 लाख रुपए लिए थे। अब घटना के बाद बिचौलियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। पीड़ित ने पूरे मामले की लिखित शिकायत पलेरा थाने में दर्ज कराई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई है। थाना पलेरा पुलिस का कहना है कि आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

संपादकीय

जीवनसाथी है, नौकरानी नहीं: वैवाहिक दायित्वों पर सुप्रीम कोर्ट का आईना

सुप्रीम कोर्ट ने एक वैवाहिक विवाद मामले की सुनवाई के दौरान महिला के पति से कहा कि आप किसी नौकरानी से शादी नहीं कर रहे है बल्कि जीवनसाथी से शादी कर रहे है। पति को भी खाना बनाने में अपना योगदान देना होगा। आप (पति) को खाना बनाने, कपड़े धोने आदि में योगदान देना होगा। आज का समय अलग है। एक वैवाहिक मामले में जब पति ने क्रूरता के आधार पर तलाक की मांग की तो सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि पत्नी द्वारा घरेलू कामकाज (जैसे खाना बनाना आदि) ठीक से न करने जैसे आरोप क्रूरता नहीं माने जा सकते। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने अपनी मौखिक टिप्पणी में कहा कि आप (पति) किसी नौकरानी से शादी नहीं कर रहे है, बल्कि एक जीवनसाथी से शादी कर रहे है। अदालत द्वारा अगली तारीख पर दोनों पक्षों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए कहा गया है। इससे पहले, अदालत ने दोनों पक्षों को मध्यस्थता (मेडिएशन) के लिए भेजा था, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। दरअसल यह मामला वैवाहिक विवाद से संबंधित है। तथ्य यह है कि दोनों पक्षों की शादी 2017 में हुई थी और उनका एक 8 साल का बेटा है। याचिकाकर्ता-पति ने तलाक की कार्यवाही शुरू करते हुए आरोप लगाया कि शादी के एक सप्ताह बाद ही पत्नी का व्यवहार बदल गया और उसने उसके साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। पति के अनुसार, पत्नी ने उसके और उसके माता-पिता के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया, उनके लिए खाना बनाने से इनकार किया, और बच्चे के जन्म के बाद उसे झूला समारोह (cradle ceremony) में आमंत्रित नहीं किया। दूसरी ओर, पत्नी ने कहा कि वह बच्चे के जन्म के लिए पति और उसके परिवार की सहमति से अपने मायके गई थी, लेकिन वे लोग झूला समारोह में शामिल नहीं हुए और उसके माता-पिता से नकद और सोने की मांग की। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसे अपनी सैलरी देने के लिए मजबूर किया गया। फैमिली कोर्ट ने पति की याचिका स्वीकार करते हुए क्रूरता के आधार पर तलाक का डिक्री दे दिया था। इसके खिलाफ पत्नी ने हाई कोर्ट में अपील की, जिसने तलाक के आदेश को रद्द कर दिया। इस फैसले से असंतुष्ट होकर पति ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

अपनी करनी

ओह हो! मेरे ही कर्मों की वजह से आज मैं इतना अभागा महसूस कर रहा हूं। मेरे ऊपर आज अपमान भी हंसता होगा, क्योंकि मैंने खुद अपने हाथों से सब कुछ उजाड़ दिया। एक साल पहले मैं इतना किस्मत वाला था, क्या ही कहूं। आराम की जीवन, अच्छी सेहत, पत्नी और दो प्यारे बच्चे, ऊंचा घराना उसपर पढ़ा-लिखा होने के बाद भी मैंने खुद ही ऐसी हालत कर ली है। एक इंसान को जो कुछ भी एक अच्छी जिंदगी जीने के लिए चाहिए, वो सब मेरे पास था। मैं अब किसी योग्य नहीं, क्योंकि मैंने किसी चीज की कदर ही नहीं की।

मेरे जीवन में ऐसी महिला थी, जिसने मुझमें लाख बुराई होने के बाद भी कुछ बुरा नहीं कहा। कभी गुस्सा नहीं किया। मैं ऐसा हूं कि दीवानगी के नशे में चूर होकर उसे इज्जत नहीं की। उसे तड़पाया, रुलाया और मन-ही-मन खूब जलाया भी। उफ्फ! उसे कितना धोखा दिया और अंधेरे में रखा। देर रात घर आते हुए न जाने कितने बहाने बनाए। रोज नई कहानी बना लेता था। क्या वो मेरे झूठे प्यार के दिखावे को नहीं समझी होगी? मेरा झूठ-फरेब क्या छिपा रह सकता था? भले ही वो अच्छी और भोली थी, लेकिन बेवकूफ नहीं।

मैं जितना झूठा था, वो उतनी सच्ची। मैं जितना गलत व्यवहार करता, वो उतना अच्छा करती। उसे दुनिया के सामने हमारे रिश्ते का मजाक उड़ाना पसंद नहीं था, इसलिए वो मेरे व्यवहार का जिक्र लोगों के सामने कभी नहीं करती थी। शायद उसे हमेशा लगता था कि मैं एक दिन सुधर जाऊंगा और मेरे सिर से ये नशा उतर जाएगा। काश! वो इतनी अच्छी न होती। वो अपने हक के लिए मुझसे लड़ती।

इसी बीच एक दिन मैं आनंद वाटिका मछलियों का करतब देखने गया। वहां मेरी नजर अचानक एक लड़की पर गई, जो फूल तोड़ रही थी। उसके कपड़े मेले थे और वो छोटी उम्र की लड़की थी, जिस वजह वो ताजगी भरी लग रही थी। इसके अलावा, उस लड़की में ऐसी कोई खास बात नहीं थी। कुछ ही देर में उस लड़की ने मेरी तरफ देखा और इस तरह से नजरें फेरी जैसे मैं वहां मौजूद ही नहीं। ऐसा मेरे साथ पहले कभी नहीं हुआ था। मैं इससे परेशान होकर धीरे-धीरे उन फूलों की झाड़ियों के पास पहुंच गया और खुद भी फूल चुनने लगा। मुझे देखते ही माली की वो बेटी बाग के दूसरी दिशा में जाकर फूल चुनने लगी।

उसी दिन से मैं रोज उस आनंद वाटिका में जाने लगा। ऐसा नहीं था कि मुझे उस लड़की से प्यार हो गया था। बस कुछ पाने का मोह मुझे वहां खींचकर ले जाता था। मैं रोज रूप बदलकर वहां जाता, लेकिन हाथ कुछ नहीं लगता। प्यार की बातें होना तो दूर की बात थी, वो मेरी तरफ देखती भी नहीं थी। इस योजना से जब काम नहीं चला, तो मैंने नई तरकीब सोची।

अगले दिन मैं अपने बुलडॉग टॉमी के साथ आनंद वाटिका गया। जैसे ही वो लड़की अपने आंचल में फूल भरकर बाग से जाने लगी, मैंने अपने टॉमी को उसकी तरफ जाने का इशारा कर दिया। वो बुलडॉग भौंकते हुए तेजी से उस लड़की की ओर दौड़ा। वो अपने पीछे कुत्ता देखकर चीखते हुए तेजी से भागी और कुछ ही दूरी पर गिर गई। मैं भी फटाफट छड़ी लेकर वहां गया और अपने टॉमी को एक दो मार लगा दी। उसके बाद फूलमती के आंचल से जमीन पर गिरे फूलों को समेटकर उसे हाथों से पकड़ कर बैठा दिया। फिर उससे दुखी होकर पूछा कि तुम्हें लगी तो नहीं? यह बुलडॉग बदमाश हो गया है। इसने काटा तो नहीं?

उस लड़की ने दुपट्टे से मुंह को ढकते हुए कहा कि तुमने समय पर आकर बचा लिया, वरना ये मार ही डालता। अपनी तारीफ उससे सुनकर मन को अच्छा लगा और दिल जोर से धड़का। मेरे मन में हुआ कि यह तरीका काम कर गया है। उस दिन से उस फूलमती से मेरी बातें होनी शुरू हुई। उसके बाद मैंने जाल फलाया, बातें रची और न जाने क्या-क्या किया। इन सब तरकीबों के बारे में दिल फेंक किस्म के सारे लोग जानते हैं। ऐसा नहीं था कि मैं उस लड़की के सौंदर्य से प्रभावित था, क्योंकि मेरी पत्नी इंदु से सुंदर कोई हो ही नहीं सकती थी। फिर भी न जाने क्यों मैं उस फूलमती की धसी हुई आंखों और गालों पर फिदा हो रहा था। होते-होते मैं खुद मोहब्बत के जाल में फंस गया।

घर-बार मुझे कुछ भी अच्छा नहीं लगता था, लेकिन मेरे इस प्रेम के बारे में किसी को खबर न हो, इसलिए मैं घर में इंदु से काफी प्यार से बातें करता था। इस नाटक का एक ही कारण था कि मैं अपनी हरकत को इसके पीछे छिपा सकूं। वक्त के साथ मैंने ये नाटक बंद कर दिया और घर व पत्नी की जरूरतों से मुंह मोड़ लिया। सच कहूं तो पत्नी से कुछ भी कहते हुए डर लगता था कि कहीं उसके मन की बात जुबान पर न आ जाए। यूं तो मैं कभी भी जौहरी की दुकान गया नहीं था, लेकिन अब मेरा वहां आना-जाना भी होने लगा। मेरा वक्त पैसा सब कुछ सिर्फ फूलमती का ही था।

एक दिन मैं हमेशा की तरह शाम के समय आनंद वाटिका में घूम रहा था। तभी मैंने फूलमती को देखा, वो मेरे दिए हुए गहने और रेशम की साड़ी पहन कर फूल तोड़ रही थी। उसी वक्त राजा भी कुछ दोस्तों के साथ वहां पहुंच गए। फूलमती राजा को पहचानती थी, इसलिए तेजी से झाड़ी की तरफ छिप गई। उस वक्त महाराज को जाना तो था पानी के कुंड के पास, लेकिन वो बाग की तरफ ही चले गए। वहां उन्होंने झाड़ी के पीछे फूलमती को छिपते हुए देखकर गुस्से में पूछा, "तुम कौन हो और यहां क्या कर रही हो?"

उस समय आनंद वाटिका का सारे लोग मेरी तरफ ही देखने लगे। मुझे भी लगा कि झट से जवाब दे देना चहिए, नहीं तो पता नहीं क्या हो जाए। मैंने कहा, "महाराज, ये यहां के माली की बेटी है।" यह सुनते ही राजा और बिगड़ गए। उन्होंने पूछा, "ये माली की बेटी है? इसके कपड़े गहने इन सबको देखकर कहां से लग रहा है कि ये माली की बेटी है।"

तभी माली भी वहां पहुंच गया और उसने जवाब में कहा, "साहब! यह मेरी ही बेटी है।"

राजा ने गुस्से में पूछा, "तुम्हारी तनख्वाह कितनी होगी?"

माली ने बताया, "पांच रुपये।"

फिर राजा ने पूछा, "क्या यह शादीशुदा है?"

माली जवाब में बोला, "नहीं।"

यह सुनते ही महाराज ने नाराज होते हुए कहा, "इसका मतलब तू चोरी करके इसे ये गहने और रेशम की साड़ी देता है। अभी मैं तेरी शिकायत पुलिस में करता हूं। कमाता है पांच रुपये और बेटी को गहनों से लदा रखा है।"

महाराज के पैर पर गिरकर माली बोलने लगा, "साहब! मेरी वफादारी पर सवाल मत उठाइए। ये इस लड़की की ही हरकत है। आजकल ये बड़े लोगों के साथ उठने बैठने लगी है। इसने मेरी नाक कटा दी है। वहां से ही इसे ये सबकुछ मिला है। आप जानते ही हैं अमीर लोग कैसे होते हैं।"

इतना सब सुनते ही महाराज ने जोर देते हुए पूछा, "क्या इसका संबंध किसी सरकारी नौकर के साथ है?"

माली ने जवाब में हां कहा।

फिर महाराज बोले, "जब भी मैं तुमसे उसका नाम पूछूंगा तुम्हें बताना होगा।"

वो सिर झुकाते हुए कहने लगा, "बिल्कुल महाराज! सच को किसी बात का भय नहीं होता है। आप जब भी पूछेंगे मैं नाम जरूर बताऊंगा"

उस समय मेरा शरीर पूरा ठंडा पड़ गया। मन में हुआ कि आज ही राजा के सामने मेरा राज खुल जाएगा और बदनामी होनी पक्की है। लेकिन, महाराज ने अपने दरबार के कार्यकर्ता की इज्जत को यूं सरेआम उछालना ठीक नहीं जाना और नाम बाद में पूछने की बात कहते हुए अपनी गाड़ी में बैठकर महल चले गए।

तभी मैं अपने घर पहुंचा, तो वहां एक बूढ़ी औरत दिखाई दी। वो बिल्कुल पूछताछ करने वाली जासूस महिला लग रही थी, जो चेहरे पर नकली भोलापन लेकर चलती है। मैंने अंदर जाते ही पत्नी से पूछा, "कौन थी वो?" उसने बताया कि एक भिखारन थी। मेरे मन में हुआ कि वो ऐसी तो लग नहीं रही थी।

मैंने गुस्से में कहा, "वो भीख मांगने आई थी, ऐसा तो बिल्कुल नहीं लग रहा था।"

मेरी पत्नी ने मुझपर तंज कसते हुए कहा, "आजकल अंदर से कौन कैसा होता है किसी को पता थोड़ी चलता है। वो भीख मांगने के लिए आई थी मैंने दे दी। वो कैसी है, कैसी नहीं, इसकी जांच नहीं की मैंने।"

तब मैं नाराज होकर पत्नी का हाथ पकड़ते हुए बोला, "देखो, जो भी है सच-सच मुझे बता दो। मैं तुमपर बहुत भरोसा करता हूं और मुझे अपनी इज्जत किसी भी चीज से ज्यादा प्यारी है। तुम्हारे बात करने के तरीके से ही मैं समझ रहा हूं कि जरूर कुछ गड़बड़ है।"

तभी वो रोते हुए बोली, "तुम मुझपर शक मत करो। मैं उस महिला की बात में आ गई थी और घर का पूरा हाल बता दिया।"

मेरा गुस्सा कम हुआ और मैंने इंदुमती से पूछा, "आखिर क्या हाल बता दिया तुमने उसे?"

उधर से जवाब आया, "सबकुछ तुम्हारे घर से यूं मुंह मोड़ना, लापरवाही, बेवफाई, किसी चीज की फिक्र न करना। मैंने सब उसे बता दिया। तुम्हें अंदाजा भी है कि घर चलाने के लिए मेरे सारे गहने बिक गए हैं। तुमने तीन महीने से घर खर्च के लिए एक रुपये भी नहीं दिए हैं। इन सबसे मेरा मन दुखी था और जब उसने प्यार से पूछा, तो मैंने भी सारा हाल कह दिया। लेकिन, आज एक बात साफ हो गई कि तुम्हें मुझपर भरोसा नहीं है। वरना इस तरह से बात नहीं करते।"

यह सब जानते ही मैंने अपने दोनों हाथों से अपना सिर पकड़ लिया। उधर महाराज को फूलमती और मेरे बारे में सबकुछ पता चलने ही वाला है और इधर घर का सारा भेद एक औरत लेकर चली गई है। किसी तरह रात गुजरी और मैं सुबह दफ्तर पहुंच गया। वहां पहुंचते ही मुझे महाराज का बुलावा आया।

मेरे दिमाग में यह बात चल रही थी कि पक्का वो बुढ़िया महाराज की ही भेजी हुई गुप्तचर होगी। उसने सारी रिपोर्ट यहां दे दी होगी। यह सोचते हुए मैं महाराज के पाच पहुंचा। वो पूजा के कमरे में थे और उनके चारों तरफ कागज-ही-कागज बिखरे नजर आ रहे थे।

उन्होंने मुझे देखते ही नाराज अंदाज में कहा, "कुंवर श्याम सिंह मुझे जो कुछ भी पता चला है, उसके बाद तुम्हारे साथ सख्ती से पेश आना होगा। उन्होंने आगे कहा कि तुम यहां के पुराने वसीकेदार हो। यह वसीका यानी पेंशन तुम्हारी कई पीढ़ियों द्वारा अपनी जान लगाकर की गई सेवाओं का नतीजा है, लेकिन तुमने अपनी हरकत से उनका नाम भी खराब कर दिया।"

महाराज ने आगे कहा कि तुम्हें वसीका अपने परिवार पर खर्च करने के लिए मिलता था। तुमने इस वसीके का गलत फायदा उठाया। माली की बेटी पर सबकुछ लुटा दिया। अब मैंने उस वसीके के दस्तावेज से तुम्हारा नाम हटाकर तुम्हारी पत्नी का नाम डाल दिया है, ताकि वो तुम्हारे बच्चों को पढ़ा-लिखाकर इस काबिल बना सके कि तुम्हारी पीढ़ियों की तरह वो महल की सेवा करें। तुम्हारी जैसी हरकत से तो पीढ़ियों का नाम खराब तो होगा ही और वसीकदारों का नाम भी नहीं बचेगा। तुम्हारी पत्नी ही वसीका पाने के काबिल है और तुमको अब मालियों की सूची में डाल दिया गया है। तुम इसी के लायक हो। अब यहां से जाओ और अपनी करनी पर पछताओ। इसके अलावा, तुम्हारे पास करने के लिए कुछ है भी नहीं।

मेरी गलती थी ही, इसलिए मुझे कुछ भी कहने की हिम्मत नहीं हुई। सबकुछ सुनने के बाद मैं घर लौटने लगा। फिर मन से आवाज, आई कौन सा घर? अब तुम्हारा कुछ भी नहीं रहा। धीरे-धीरे ये बात पूरे नगर में फैल जाएगी और लोग तरह-तरह की बातें करेंगे। कुछ झूठी हमदर्दी दिखाएंगे, तो कुछ मजाक उड़ाएंगे। फिर मन हुआ कि एक बार फूलमती से मिल लूं, लेकिन लगा कि अब न वो रौब है और न ही रुतबा कैसे उससे मिलूंगा। उसने कहीं भावनाओं में बहकर मेरे साथ चलने की बात कह दी, तो क्या करूंगा? अकेला तो जैसे भी गुजारा हो जाएगा, लेकिन उसके साथ चीजें मुश्किल होंगी। मन से भी आवाज आई उसी की वजह से सबकुछ बर्बाद हो गया है। इतना सोचकर मैं बंबई की ओर निकल गया।

अब बंबई की ही एक मील में नौकरी करते हुए दो साल बीत गए हैं। पैसे के नाम पर बस इतना ही मिलता था कि किसी तरह कुछ खा-पी लूं। एक बार मैं चुपचाप से अपने घर गया। वहां देखा कि मेरे बच्चे घर के बाहर अच्छे से खेल रहे थे। मेरी पत्नी ने पूरे घर को अच्छे से संभाल रखा था। घर के बाहर दो लालटेन जल रहे थे। सब कुछ बहुत साफ था। तभी मुझे पता चला कि दो-चार महीने मेरी खोज करने के लिए अखबार में कुछ इश्तहार भी छपे थे, लेकिन इस मुंह को लेकर मैं कहां जाता। मैंने फूलमती को भी देखा। पता चला कि वो किसी नए रईस के साथ थी।

अपने जिंदगी पर अफसोस करते हुए मन में हुआ कि अब इसी हालत में जीवन जीना होगा। अब चाहे हंसकर जिंदगी जी लूं या रोकर। अपने पास मौजूद किसी चीज की मैंने कदर नहीं की और खुद अपनी हंसी-खुशी को पैरों से ठोकर मारकर अब पछता रहा हूं। मैं वो इंसान हूं, जिसने अपने सब कुछ को खुद से ही जला दिया और अब उसकी राख भी नहीं बची।

कहानी से सीख

अपने घर-परिवार को भूलकर किसी पराई महिला के चक्कर में पड़ने से सबकुछ बर्बाद ही होता है। दूसरी सीख यह है कि झूठ छिपाए नहीं छिपता।

Uttarpradesh

गाजियाबाद से 5 नाबालिग समेत ISI के 9 नए जासूस दबोचे, अडानी-अंबानी के घरों के वीडियो भी पाक भेजे

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने सैन्य ठिकानों और संवेदनशील स्थानों की लोकेशन, फोटो-वीडियो पाकिस्तान भेजने वाले गिरोह से जुड़े नौ और आरोपियों को शुक्रवार को दबोच लिया। इनमें पांच नाबालिग शामिल हैं। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या 15 हो गई है। पुलिस ने नाबालिग आरोपियों को बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह जासूस गैंग देश के संवेदनशील स्थानों और सैन्य ठिकानों के अलावा अडानी-अंबानी जैसे उद्योगपतियों के आवास के फोटो-वीडियो, लोकेशन भी पाकिस्तान भेज चुका है।

पुलिस के अनुसार, नाबालिग आरोपियों में एक नौवीं

क्लास का छात्र भी शामिल है, जो संवेदनशील जगहों की रेकी करने के साथ कैमरे लगाने में भी शामिल था। नाबालिगों की उम्र 15 से 17 वर्ष के बीच है। पुलिस ने आरोपियों से नौ मोबाइल फोन और 10 सिम कार्ड बरामद किए हैं। आरोपी पाकिस्तानी नंबर के अलावा एक मलेशियाई नंबर पर अपने आका से बात करते थे। यूके का एक वर्चुअल नंबर भी सामने आया है।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को पकड़े गए आरोपियों में मेरठ निवासी गणेश और गगन कुमार प्रजापति, कौशांबी निवासी विवेक तथा नवी मुंबई में रहने वाले दुर्गेश निषाद भी शामिल हैं। गणेश मूलरूप से नेपाल के लुंबिनी और विवेक बिहार में पूर्णिया का रहने वाला है।

New Delhi

'दिव्यांगों के लिए कैब में वीलचेयर की सुविधा जरूरी'

सुप्रीम कोर्ट ने दिए सुझाव, केंद्र से पूछे तीखे सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिव्यांगजनों की मदद के लिए बेहतर इंतजाम करने की जरूरत पर जोर दिया। कोर्ट ने कहा कि कैब सेवाओं को इस तरह तैयार किया जाना चाहिए कि उनमें वीलचेयर और अन्य सहायक डिवाइस रखने की सुविधा हो। जस्टिस विक्रम नाथ की अगुवाई वाली बेंच दिव्यांगजनों के लिए फर्स्ट माइल और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

बेंच ने कहा कि आज बड़े शहरों में हर जगह कैब उपलब्ध हैं, इसलिए कैब कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे दिव्यांगजनों की वीलचेयर और अन्य सहायक डिवाइस को समायोजित कर सकें। कोर्ट ने दिव्यांगजनों के लिए विशेष कैब की व्यवस्था करने का भी सुझाव दिया। अदालत ने कहा कि कैब ऐप में ऐसे विकल्प हो सकते हैं, जहां से दिव्यांगजनों के लिए खास तौर पर डिजाइन की गई कैब बुक की जा सके।

याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि दिव्यांगजनों को कैब में चढ़ने में काफी दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर कैब सीएनजी किट वाली होती हैं, जिससे गाड़ी में जगह कम हो जाती है और वीलचेयर रखने की सुविधा नहीं मिलती।

Uttarpradesh

ईद पर मथुरा में बवाल, 'फरसा वाले बाबा' की गाड़ी से कुचलकर हत्या का आरोप; हाईवे कर दिया गया जाम

मथुरा, (एजेंसी) कान्हा की नगरी ब्रज में ईद वाले दिन बवाल मच गया। आरोप है कि मथुरा के थाना कोसीकलां के अंतर्गत कोटवन चौकी क्षेत्र के नवीपुर में बीती रात गौ-तस्करों ने विख्यात गौ-सेवक चंद्रशेखर, जिन्हें क्षेत्र में 'फरसा वाले बाबा' के नाम से जाना जाता था, की गाड़ी से कुचलकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है और तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाबा चंद्रशेखर को क्षेत्र में गौ-तस्करों की सक्रियता की सूचना मिली थी। वे अपनी टीम के साथ तस्करों का पीछा कर रहे थे। नवीपुर के समीप तस्करों ने क्रूरता की हदें पार करते हुए अपनी गाड़ी बाबा के ऊपर चढ़ा दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए छाता पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है। बरसाना की ओर जाने वाले सभी रास्तों पर सघन नाकाबंदी कर दी गई है ताकि फरार आरोपियों को पकड़ा जा सके। बाबा का पार्थिव शरीर उनके गांव अंजनोख स्थित बाबा की गोशाला पहुंचा, जहां हजारों की संख्या में ग्रामीण और गौ-भक्त जमा हैं।

New Delhi

डिजिटल अरेस्ट में इस्तेमाल हो रहे डिवाइस ID ब्लॉक करे वॉट्सऐप, केंद्र सरकार हुई सख्त

नई दिल्ली, (एजेंसी) डिजिटल अरेस्ट स्कैम को लेकर सरकार ने बड़ा एक्शन का ऐलान किया है. सरकार ने वॉट्सऐप को डिजिटल अरेस्ट इस्तेमाल हो रहे डिवाइस IDs ब्लॉक करने का आदेश दिया है. बहुत से स्कैम में इंस्टैंट मैसेजिंग ऐप WhatsApp का यूज किया जाता है, जिसमें विक्टिम के पास वॉट्सऐप कॉल, वीडियो कॉल और मैसेज तक भेजे जाते हैं.

गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाली साइबर विंग इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर (I4C) की रिपोर्ट के आधार पर एक्शन लेने को कहा है. असल में साइबर स्कैमर्स बार-बार नए अकाउंट बनाते हैं, इसलिए डिवाइस लेवल पर रोक लगाने की तैयारी.

WhatsApp जैसे प्लेटफॉर्म पर Skype जैसी सेफ्टी फीचर्स लागू करने पर विचार हो रहा है. IT Rules 2021 के तहत डिलीट अकाउंट का डेटा 180 दिन तक सुरक्षित रखने पर जोर दिया जा सकता, जिससे जांच एजेंसियों को जांच में मदद मिल सके. मैलिशियस APK और फर्जी ऐप्स को पहचानकर ब्लॉक उनको भी ब्लॉक करने की योजना है. WhatsApp एक पॉपुलर मैसेजिंग ऐप है, जिसका बारत में करोड़ों लोग यूज करते हैं. इसी पॉपुलैरिटी का फायदा उठाते हुए साइबर स्कैमर्स वॉट्सऐप पर आईडी बनाकर भोले-भाले लोगों को शिकार बनाते हैं. ऐसे में सरकार साइबर ठगों द्वारा यूज होने वाली ID को ब्लॉक करना चाहती है.

डिवाइस IDs क्या होता है? - डिवाइस IDs, असल में किसी भी गैजेट की पहचान होती है, जो एक यूनिक नंबर होता है. यह ठीक वैसा नंबर होता है जैसा कि भारत में हर एक भारतीय का आधार नंबर होता है.

खेल

तन्वी शर्मा ऑरलियन्स मास्टर्स के सेमीफाइनल में छठी वरीयता निंदैरा को एकतरफा अंदाज में हराया

नई दिल्ली। भारत की तन्वी शर्मा ने जापान की छठी वरीयता प्राप्त नात्सुकी निंदैरा को सीधे गेम में हराकर शुक्रवार को ऑरलियन्स मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता इस 17 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने महिला एकल क्वार्टर फाइनल में 43 मिनट में 21-14, 21-14 से जीत दर्ज की। तन्वी का अगला मुकाबला जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा और वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया के लियो कार्नांडो और बगास मौलाना ने हरिहरन आमसकारुनन और एमआर अर्जुन के अभियान को 21-12, 22-20 की जीत के साथ समाप्त कर दिया।

सिनेमा

'धुरंधर 2' देखकर तमतमाए रियल 'जमील जमाली', बोले- ल्यारी नहीं आतंकवाद का अड्डा

आदित्य धर की 'धुरंधरः द रिवेंज' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा. फिल्म ने सीधा 100 करोड़ से भी ज्यादा की ओपनिंग की, जिससे कई रिकॉर्ड्स नेस्तनाबूद हुए. जो भी फिल्म देखकर थिएटर से बाहर निकला, अधिकतर सभी को पसंद आई है. 'धुरंधर 2' में उन्हें कई चीजों ने इंप्रेस किया है, जिसमें से एक जमील जमाली का किरदार भी था. राकेश बेदी के किरदार जमील जमाली ने फिल्म में जो किया, उसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी. 'धुरंधर' में उन्हें एक कॉमिक किरदार में दिखाया गया था, जिसके कारण पूरी फिल्म में मजा बरकरार रहा. हालांकि जिस पाकिस्तानी नेता पर ये किरदार बेस्ड बताया जाता है, वो राकेश बेदी के निभाए रोल से नाखुश थे. दिसंबर 2025 में जब धुरंधर का पहला पार्ट आया था, तब रियल लाइफ 'जमील जमाली' यानी नबील गबोल ने नाराजगी जाहिर की थी. उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान ये साफ कहा था कि जिस तरह से उन्हें फिल्म में दिखाया गया है, वो गलत है. उनके मुताबिक, वो ल्यारी के मेन हीरो थे, जिसे फिल्म में कॉमिक अंदाज में पेश किया गया. नबील गबोल ने कई बार 'धुरंधर' में अपने किरदार को गलत तरीके से दिखाए जाने पर बात की थी.

Highlights

1. PM Modi wishes Eid, says 'May everyone be happy and healthy'
2. What are the new petrol prices in major cities as premium petrol gets costlier?
3. Why should we be oversensitive?: SC on old NCERT book criticising its rulings
4. 2 Indian LPG tankers getting ready to sail through Strait of Hormuz
5. News agency UNI's office sealed in Delhi

Indian Oil, HPCL, BPCL shares surge after premium petrol price hike

NEW DElHI, (Agency). Shares of India's oil marketing companies — Indian Oil, HPCL and BPCL — surged up to 3.5% today after an increase in premium petrol prices. There was no change in "normal" petrol prices.

The prices of premium petrol — BPCL's Speed, HPCL's Power, and IOCL's XP95 — has been increased by ₹2.09– ₹2.35 per litre, according to ANI post on X. There is no change in the price of regular petrol at present.

The state-run Indian Oil Corp. Ltd., Bharat Petroleum Corp. Ltd., and Hindustan Petroleum Corp. Ltd. have been absorbing the cost of a surge in crude oil prices due to Iran war. Every $10 rise in crude oil prices erodes erodes their margins by ₹6.3/litre of petrol and diesel they sell, according to Elara Securities.

To be sure, fuel prices have surged globally.

In the US, gasoline now costs 20% higher than before the Iran war.

China has effected the biggest fuel price hike since 2022.

In the UK, fuel prices are at an 18-month high.

Fuel prices in Pakistan and Sri Lanka are up by 20% and 8%. To be sure, the government cannot avoid a petrol/diesel price hike indefinitely. It does have a buffer in terms of excise duty— ₹19.9 per litre of petrol and ₹15.8 per litre of diesel. According to experts, retail petrol/diesel prices can be fully protected through excise duty cuts of up to $110 per barrel. For now, the government has not announced any plans to cut excise duty, and Indian Oil, BPCL and HPCL are footing the bill. The premium petrol price hike today will offset the impact, but only so much.

Natco Pharma to launch generic Ozempic at 90% discount as price war begins

NEW DElHI, (Agency). Natco Pharma Ltd. is set to launch the generic version of Ozempic at a price that's 90% cheaper than the original created Novo Nordisk A/S, triggering a price war for weight-loss drugs in India as the patent for key ingredient semaglutide expires.

Priced at ₹1,290 per month, Natco Pharma's multi-dose vial undercuts Novo Nordisk's original brand by roughly 90% as the first-of-its-kind vial format is ~70% cheaper than pen devices prevalent in this drug category. The drug has to be taken in combination with diet and exercise for patients with Type 2 Diabetes.

The vials of Natco Pharma's SEMANAT and SEMAFULL will be available strengths 2mg/1.5ml, 4mg/3ml and 8mg/3ml at ₹1,290-1,750.

The pen device will be priced at ₹4,000, ₹4,200 and ₹4,500 per month for the strengths 2mg/1.5ml, 4mg/3ml and 8mg/3ml, respectively.

The Hyderabad-based drugmaker received approval from the Central Drugs Standard Control Organisation in February 2026 to manufacture and market the generic drug. The approval covers both multi-dose vials and pen devices and was based on a clinical comparison study.

Confidential Investigation & all type of Detective services

Successful Journey
Since 2002...

प्रतिस्पर्धा का समय है।
स्वार्थियों, घर के भेदियों से भर गया है समाज।
सावधान रहना है सब से।
निगाह रखनी है लोगो पर, घटनाओं पर, वातावरण पर
कहीं ऐसा तो नहीं...
कोई साँप आस्तीन में छुपा हो ?
फूलो की सेज पर कुछ काँटे हों ?
व्यक्तिगत/व्यापारिक जीवन में कोई छिद्र हो ?
इस प्रकार की सभी व्यक्तिगत, व्यापारिक, राजनैतिक, कानूनी,
सभी प्रकार के इन्वेस्टीगेशन कार्य... सबूत/प्रमाण हेतु
मदद के लिये तैयार... कभी भी.... कहीं भी...

कब.. क्यों.. कहाँ.. कितना.. कैसे...!

DETECTIVE GROUP ®

पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता
www.detectivegroup.in

9826044334
9826044334
7312433667

" संपूर्ण विश्व हमारी सीमा में हैं "

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक